ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन जून २०१०

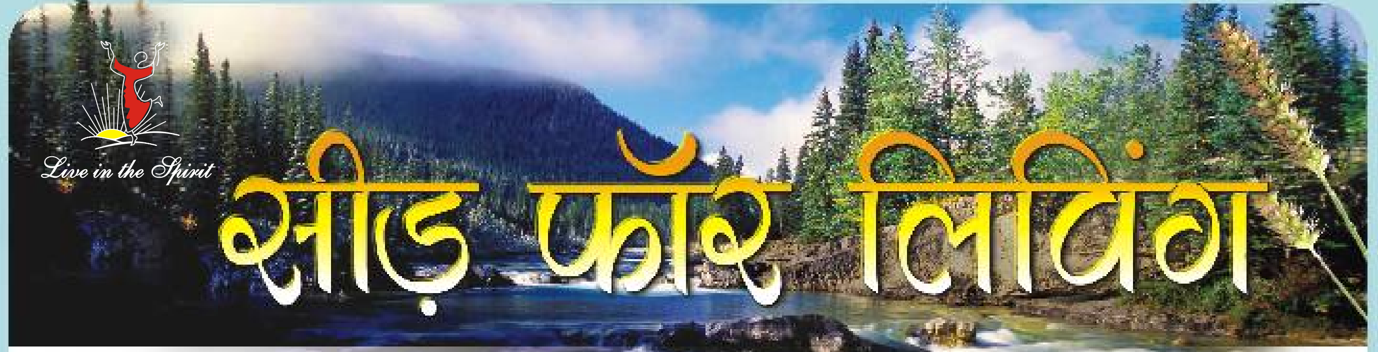

परेशानी की झुर्रीयाँ

अपने विश्वास कों उपर उठाइयें।

बहुत लोग ईश्वर को नाकाम कर देते है, क्योंकि वह ईश्वर का कहा नहीं मानते और विश्वास नहीं करते, न विश्वास करना ही न मानने की जड़ है। लोग ईश्वर का कहा क्यों नहीं मानते क्योंकि उन्हें विश्वास नहीं है कि, जिसके लिए ईश्वर बुला रहे है वह करने से उनका भला होगा। उन्हें यह समझ नहीं आता ईश्वर के तरिके उनके तरिके से बढ़कर है। उनकी अकलमंदी हमारी छोटी सोच से करोडो गुनाह बढ़कर है। हम जो सोच भी नहीं सकते वह ईश्वर कर सकते है।

अपने विश्वास को आगे बढ़ाओ और ड़र से दूर रहो

अगर आप किसी मुश्किल से निकलना चाहते है, आपका विश्वास आपकी मुश्किल से बड़ा होना चाहिए। मान लिजिए आपकी मुश्किल ८० प्रतिशत बड़ी है, ७९ प्रतिशत विश्वास होने से काम नहीं चलेगा। अगर एक भी प्रतिशत आपका विश्वास कम हो जाता है, गुनाह या कमजोरी के कारण तो शैतान उसे इस्तमाल कर लेगा।

मैं रोज ईश्वर के साथ करीब चार घंटे बिताता हूँ। दो घंटे प्रार्थना करने में और दो घंटे वचन की तैयारी करने में। मुझे अभिषेकीत करने को कहता हूँ, ताकि आपको सही राह बता सकूं। फिर मै विश्वास के साथ, पवित्र रूह से आपको बताता हूँ कि क्या करना है। मै विश्वास बोलता हूँ, और उसके बाद आपको केवल यही करना है कि, ईश्वर का कहा मानना है। वचन आपकी जिंदगी सुधारकर चंगाई प्राप्त करवा सकता है। अगर आप आशिर्वादित होना चाहते है तो अविश्वास को अपने अंदर से निकालिये। अगर आप सोचते है कि आप मजबूत खड़े हो, ध्यान रखो कि आप गिरो नहीं। (कुरिंन्थियों १०:१२)

माफी एक चाबी है

ताकत पाने के लिए बहुत लोग उपवास और प्रार्थना करते है। मगर जब वह प्राप्त करते है, तो वह उसे बेईज्जत करते है। इसलिए प्रभु येशु ने हमें चौकन्ना रहने के लिए कहा है। उन्होंने हमें माफ करने के लिए भी कहा है। अपने आपको देखो अगर आपका भाई गुनाह करे तो उसे बताओ। माफी माँगे तो माफ करो। अगर वह दिन में सात बार आपके खिलाफ गुनाह करे और सात बार माफी माँगे तो माफ कर दो। (लूका १७:३-५) अगर कोई गलत करे तो उसे बताओ, माफी माँगे तो माफ करो। सौ बार भी तो सौ बार भी माफ करो। क्या ईश्वर भी यही नहीं करते? वह बारबार आपको माफ कर देते है। अगर आप किसी को माफ नहीं कर सकते तो, आप यह कैसे चाहते है कि ईश्वर आपको माफ करें।

याद रखो आप सिर्फ एक ईन्सान है। आप एक दिन मरोगे। और आपका शरीर सड़ जाएगा। गुस्सा और नफरत त्याग दिजिए। और सबके साथ शांति से जीना सिखिए। अपने पुरे दिल और आत्मा से अगर आप ईश्वर की सेवा करने का प्रण लेते हो, आप सब कर सकते हो, ईश्वर आपको इस दुनिया में प्यार और सेवा करने के लिए लाए है। यही वजह है, कि आप बनाए गए है।

–ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

परमेश्वर की ओर से नेतृत्व

नेतृत्व यह एक ऐसी जिम्मेदारी है, जो पुरूष और स्त्रीयों से कार्य करवाता है। नेता अपने लिए और लोगों के लिए भी जिम्मेदार होता है। नेता शक्ती भी देता है, और पैसों की जिम्मेदारी भी। लोग उपर और बीच के पदों पर अपनी शक्ती का गलत इस्तमाल करते है। ऐसा करने में वह संस्था का नुकसान करते है, जिसका उन्हें नेतृत्व करना था। नेता जब ध्यान नहीं देता तब, सब तरह की बुराईयाँ होती है।

सामर्थ्यः रोमियो १३:१ कहता है, "जो अधिकार है, वह ईश्वर के दवारा ठहराए गए है।" अधिकार सामर्थ्य से जुड़ा हुआ है, और जो सामर्थ्य ईश्वर से आता है, वही सच्चा नेतृत्व स्थापित करता है। अपनी अधिकार का इस्तमाल करके भी नेतृत्व स्थापित किया जा सकता है। मगर इस तरह का नेतृत्व शरीर से ताल्लुक रखता है, दुसरों की सेवा से नहीं। जो चर्च और दुसरी सेवकाईयों में उचे पद पर जो ओवर सियर और ड़का होते है उसके बारे मे तीमुथियुस की किताब बात करती है। "इसी प्रकार कलीसिया के सेवको को भीसम्मानीय होना चाहिये जिसके शब्दों पर विश्वास किया जाता हो। मदिरापान में उसकी रूची नहीं होनी चाहिये। बूरे रास्तों से धन कमाने का उन्हें इछूक नहीं होना चाहिये। उन्हें तो पवित्र मन से हमारे विश्वास के गहन सत्य को थामे रखना चाहिये। इनको भी पहले निरिक्षकों के समान परखा जाना चाहिये। फिर यदि उनके विरोध में कुछ न हो तभी इन्हें कलीसीया के सेवक के रूप में सेवा–कार्य करने देना चाहिये।" (१ तीमुथियुस ३:८) यह लोग अपना स्थान दुसरों की सेवा के लिए इस्तमाल करते है।

पैसाः उन नेताओं को यह समझना चाहिए कि, **नेता पैसों का ध्यान रखने के लिए होते है। पैसा उनका नहीं होता। ईश्वर देना बंद कर देते है, जब वह देखते है, कि उनके दिए हुए सामान का गलत इस्तमाल हो रहा है। मत्ती २५:२१ कहता है। "धन्य, हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास। तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा, मै तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाउँगा।"**

औरतः उत्पत्ति दिखाती है, कि औरत को सर्प ने धोका दिया था, जब आदम ने हव्वा की बात सुनी, ईश्वर से उसका रिश्ता खराब हो गया। फिर उसकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गयी। अपने खुन पसिने से आदम को अपनी देखभाल करनी थी। आदम की तरह सॅमसंग को भी ड़िलायला ने धोखा दिया था। उसने अपनी कुर्सी और ताकत पूरी तरह खो दी। इसलिए नेता को औरत के हवस से बचने के लिए ईश्वर की सुरक्षा लेनी चाहिए। जैसे जोशुआ पवित्र–शास्त्र में एक आदमी ऐसा है, जो चरित्रवान भी है। और ऐसा नेता है, जो ईश्वर को नाकाम नहीं करेगा। और जहाँ वह वादा किया था, अपने आपको वहाँ, और लोगों को भी ले जाएगा, जहाँ आशीर्वाद होगा। हम आनेवाले मासिक में आगे के विषय पर आपको संक्षिप्त में बतायेंगे।

–संपादकीय डेस्क

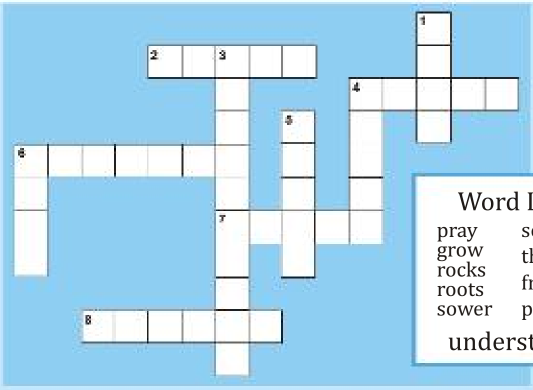

Word List

pray	seeds
grow	thorns
rocks	fruit
roots	parable
sower	

understand

Across
2. If we learn and grow, like the seed, we too will bear _______
4. It is important to plant seeds in good soil so they can grow deep_______ into the ground.
6. This is a type of story Jesus told to teach a lesson.
7. Jesus compares these to the Word of God.
8. These choke the plants and stop them from growing.

Down
1. We can do this if we learn and ask lots of questions about God.
3. The seed planted in good ground can be compared to people that hear and ____ the word.
4. The seed that fell among these couldn't grow roots and died.
5. This person plants the seeds.
6. Do this instead of worrying.

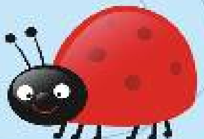

लोट की पत्नी को याद करो

(लूका १७:३२)

मेरे ज्यादा तर लेख उसी विषय पर थे, जिस पर इस साल का कॅलेंड्र है। तैयारी उनके (येशु मसिह के) दुसरी बार आने की। मगर कितने लोग सच में विश्वास करते है? लोट की पत्नी ने नहीं किया। यह याद दिलाने के लिए कि उसके साथ क्या हुआ? हमारे पास सबूत है, हम पिछे क्यों देखते है? क्योंकि हमें पता नहीं कि, हमारे साथ आगे क्या होनेवाला है। एक तुलना दोनों के बीच हमें सही निर्णय लेने में मदद करेगी। जो लक्ष्य प्रभु येशू के सामने रखा गया था, उसी तक पहुँचने के लिए क्रुस के पास वह गए बिना पिछे देखे।

तब सदोम दुनिया के सबसे बदमाशों के शहरों में से एक था। फिर भी लोट वहाँ अपनी धार्मिकता के साथ गया। जिस वातावरण में हम रहते है, उसका असर पडता है। शाप–गाली सुनने से हमारे मुँह पर भी वही आ जाता हैं। ब्लू फिल्म, गरिबी, शराब बुराई हमे बुरा बना देती है। पर लोट को ऐसा लगा की वह आग से बिना जले खेल सकता है।

२ पेत्रस २:७–८ यह बताता है, कि लोट की आत्मा इस बुराई से परेशान थी। पर वह इतना निष्ट नही था, कि अपनी बीवी और बेटी को उस जगह की बुराई से दुर रख सके। अपने चाचा के पहले विकल्प देने पर लोट इस शहर में आ गया। वह सुखा पहाड़ चून सकता था, या वह बहुत पानी वाले, लेकिन बुरे शहर चून सकता था। उसने एक ऐसी जगह चूनी, जो विनाश की ओर ले जा रही थी। उसे लगा होगा कि उसने अपने चाचा को मात देकर अच्छा व्यवसायिक फैसला लिया है। उसे लगता था कि वह अमीर बन जाएगा, लेकीन उसने सब खो दिया। हम में से कितने लोग गलत चुनाव करते है। इस डर से कि हम गरीब या बिना दोस्त वाले लगेंगे। या फिर मनोंरजन और सामाजिक सीन पाने के लिए बहुत जल्द हमारी जीवन शैली भी वैसी हो जाती है, जैसी लोगो की कॅनडा, अरब, औस्ट्रेलिया में हैं, जैसे लोट की बीवी के साथ और बच्चों के साथ हुआ था। सदोम के रहने वाले आदमियों से उसकी बेटियों ने शादी की। अपनी अमीरी के चलते लोट को इज्जत दी जाने लगी और उसे शहर का उच्चतम नागरीक बना दिया गया, और वह दरवाजे पर बतौर निर्णयक बैठने लगा। लोट को जो इज्जत मिल रही थी, वह अच्छी लगने लगी। वह यह सब अयाशी की जिंदगी छोड कर प्रभु की सेवा मे कैसे जा सकता था। सदोम की बुराई को ईश्वर ने देख लिया, जैसे वह आज दुनिया की बुराई देख रहा है। ईश्वर को बहुत धीरज है। जो लोग पापी है, उन्हे पाप से बचाने के लिए येशु मसीह को उन्होने रक्षक के रूप में भेजा पर एक समय ऐसा आता है, जब ईश्वर का धीरज खत्म हो जाता है तो फिर सदोम और गोमोरा का अंत हो जाता है। और अब धरती के लिए भी वह समय आएगा। ईश्वर के फरिश्तोंने लोट को चेतावनी दी थी। हमारा जवाब लोट की तरह नही होना चाहिए, जो हिंचखिचाए। (उत्पति १९:१६)

फरिश्तो को लोट को लेना था। और उसके बीवी बच्चों को भी उस शहर से ले जाना चाहता था। दुनिया से जुड़ाव मुझे उस तरफ खिंचता है। जब वह लोग भाग रहे थे, तो लोट की बीवी का दिल और दिमाग उसी में था, कि उसने पिछे क्या छोड़ा? वह ईश्वर के निर्णय के बारे में नहीं सोचती है, जो आनेवाला है। वह शायद यह सोचती है, कि यह भी नहीं होगा। वह अपने अच्छे घर, चिजों, बिस्तर और अच्छी जींदगी के बारे में सोचती है। जो वह उस शहर में जीती थी। उसे यह याद नहीं कि, पिछली बार उसने ईश्वर की उपासना की थी, जो उसके शहर का नाश करनेवाले है। तुम देखो कि,उसकी आत्मा, मर चुकी है। ईश्वर उनके दिमाग से दूर है। ईश्वर को यह पसंद नहीं कि, हम ऐसी किसी अवस्था में फसे। लोट की बिवी ईश्वर की उपासना में, विश्वास में थी। ईश्वर ने कहा था (उत्पति १९:१८) जाओ अपनी जींदगी से पिछे मत देखो, रूको मत, पहाड़ों पर जाओ, नही तो खत्म हो जाओगे... उसने नहीं माना ... प्रभु का वचन के तूल नहीं दिया। मुड़ कर उसन पिछे देखा और वह नमक का खंबा बन गई। सदोम की खुशियों के हवस और उसका शिकार होने का मतलब पाप की तरफ बढ़ना है। पहले ईश्वर की चेतावनी पर शक उन पापों के खिलाफ फिर बुराई को न छोड़ना फिर अंत में पुरी तरह न मानना, आखिर में मौत। जो लोट की बीबी ने अनुभव किया वह सदोम और गमोरा आग, लाईमस्टोन, सल्फर ने भी किया। क्या भयानक आग है, स्त्री, पुरूष और छोटे बच्चे तबाह हो गए। घोड़े, भेड़ और बकरी भी पुरी तरह खत्म।

२ पेत्रस ३:१० कहता है, ईश्वर का दिन चोर की तरह आएगा, स्वर्ग दहाड़ के साथ गायब हो जाएगा। चीजें आग और धरती के साथ तबाह हो जायेगी। सब निरवस्त्र रह जाएगा। क्या दृष्य है, हमें चौकन्ना रहना है, और प्रार्थना करनी है, ताकि इन सब से हम बच सके। जो होनेवाला है, लूका २१:३६ के अनुसार हम इन्सान के पुत्र के सामने खड़े हो सके। एक भाग कहता है, एक जाल की तरह तुम पर वह दिन आएगा और उन सब पर आएगा जो इस धरती के मुख पर जी रहे है।

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

सफलता की कुँजी
समृद्ध होने का तरिका

यूहन्ना का शुभसमाचार कहता है, येशु के सबसे बडे चमत्कारो मे से एक है, कि उन्होने ३८ साल से एक बीमार आदमी को चगांई प्राप्त करवाई (यूहन्ना ५:१-९) लोगो की प्रातिक्रीया इस चगांई पर वैसी हो रही, जैसे आज होती है। कुछ प्रभावित हुए, कुछ नाराज। और कुछ को जवाब चाहिऐ था। अंत में येशु ने उन्हे सब समझाया। लोग आज भी समझने की कोशिश कर रहे है, कि उन्होंने क्या कहा। जब मैंने उस गहरे सच को जाना तब मेरी जिंदगी बदल गई।

मेरा नजरिया पिता से रिश्ते के बारे में। देखते है वचन क्या कहता है, क्योंकि सबाथ पर येशु यह सब कर रहे थे, यहुदीयो ने उन्हे परेशान किया। येशु ने उनसे कहा, मेरे पिता आज भी काम पर है, और मैं भी काम कर रहा हूँ।

(यूहन्ना ५:१६) येशु कहते है, "मैं तुमसे सच सच कहता हूँ। पुत्र आपसे कुछ नही कर सकता, केवल वह जो पिता को करते देखता है। क्योंकि जिन जिन कामों को वह करता है वह पुत्र भी उसी रिती से करता है। क्योंकि पिता पुत्र से प्रीति रखता है, और जो जो काम वह आप करता है, वह सब उसे दिखाते है।"

(वचन १९:२०) हम यह सोंचने मे अपना समय बिता देते है। की ईश्वर हमसे क्या करवाना चाहते है। येशु ने हमारे लिये अपना उदाहरण रख दिया है। आसान शब्दो मे येशु कहते है, मैं पहले पिता के पास जाता हूँ, और देखाता हूँ, वह क्या कर चुके है। और फिर वह करता हूँ। वही वे हमसे भी चाहते है। ईश्वर प्रार्थना ही एक तरीका है जो इंसान को ईश्वर के चमत्कार दिखा सकता है। फिर वह विश्वास जाहिर कर सकता है। स्वर्ग को आज्ञा दे धरती पर काम करने के लिए। जैसे मत्ती की किताब कहती है, जो आप धरती पर बाँधते है, वही स्वर्ग में भी बंधा जाता है। जो आप धरती पर ढ़िला करते है, वह स्वर्ग में भी ढ़िला होता है। जब आप ईश्वर के साथ समय गुजारते है, सुबह से खास कर, वह आपको दिखाने लगते है कि, आपको क्या करना है। आपका समय बच जाता है। पर बहुत लोग प्रार्थना नहीं करते उन्हें लगता है कि, वक्त बरबाद हो रहा है। या दुसरी चीजों से कम जरूरी है। वह कहते है प्रार्थना के लिए उनके पास वक्त नहीं। मगर असल में प्रार्थना आपका वक्त बचाती है। लोगों को यह भी लगता है कि, ज्यादा देर तक प्रार्थना करना जरूरी नहीं। येशु ने देर देर तक प्रार्थना फिर क्यों की? क्योंकि उनका पिता के साथ सच्चा रिश्ता था। और कोई भी रिश्ता बनाने में समय लगता है और रखने मे भीं। येशुने हमसे कहा है आप मेरे उपस्थिती में दुसरों की उपस्थिती से ज्यादा पाओगे। आप सबसे बात करने में वक्त बरबाद कर देते हो। राजनिती के बारे में दो तीन घंटे बात करते है। अंत में कुछ नहीं होता। कुछ नहीं बदलता। आपको वह वक्त अपने घुटनों पर प्रार्थना में बिताना चाहिए था। और जब हम प्रार्थना करते है, तो ईश्वर परीस्थिती बदलने के लिए हमारा उपयोग करते है ।

—संपादकीय डेस्क

दस आज्ञाँए
आठवी आज्ञा

तुम चोरी नहीं करोगे। (निर्गमन २०:१५)

क्या हम ईश्वर से चोरी कर सकते है ?

निर्गमन २०:१५ हमसे कहता है, कि चोरी से दुर रहो। पर वचन हमें सिखाता है, एक दुसरे तरह की चोरी, ईश्वर से चोरी, अब्राहम के समय से, कर्तव्यनिष्ठ, विश्वसनिय लोगों ने यह माना कि, ईश्वर वह है जिसका सबकुछ है। और विश्वास के साथ अपनी कमाई १/१० हिस्सा ईश्वर को दिया। ईस्त्राएल में ईश्वर में जो अनुभव रहा उसमें माना गया कि, अपनी कमाई का १/१० वा हिस्सा लोगों को उन पुरोहितों को देना चाहिए, जो धार्मिक सेवा वह वतन को कर के देते है। लोगों में यह बात कभी चर्चित नहीं रही कि, १/१० वा हिस्सा अपनी कमाई का ईश्वर को देना है। लोगों को यह विश्वास ही नहीं था, कि अगर वह अपनी कमाई का १/१० वा हिस्सा ईश्वर को देंगे तो, ईश्वर उनकी सारी जरूरते पूरी करेंगे। ईश्वर चाहते है कि, हम भविष्य में विश्वास रखें। उनका वचन हमारे भविष्य के वादों से भरा हुआ है, अपने राज्य में। अगर हम उनके वादों पर विश्वास करें हम अपनी शक्ति को धार्मिक खजाना पाने में लगा सकते है, जो जीवन भर रहेगा– खजाना जो हमसे कोई चुरा नहीं सकता।

यही संदेश प्रभु येशु हमें देना चाहते है। उन्होंने कहा धरती पर खजाने जमा करके मत रखो जहां चीजे खराब हो जाती है। और लोग उन्हें चोरी कर लेते है। अपने लिए स्वर्ग में खजाने जमा करो, जहां कोई बिगाड़ नहीं सकता, चोरी नहीं कर सकता। मत्ती की किताब ६:१९-२० हमें समझाता है कि, सच्ची किमत जिंदगी की क्या है, और उन चिजों के बारे में सोचना है, जो मायने रखती है। और इस जिंदगी के परे एक उत्तम चरित्र बनाना है। सब के दिल में प्यार है, ईश्वर का प्यार चोरी की ईच्छा को हराता है।

—संपादकीय डेस्क

दरवाजा खोलो और ताजी हवा आने दो!

युवा अवस्था में हम यह बहुत सुनते है कि, "तुम एक बदलाव हो"। पहले मेरी प्रतिक्रिया थी, हम युवक है, हमारे बहुत अरमान है, मगर जिंदगी बदलने वाले अरमान। कहीं आप मजाक तो नहीं कर रहे हैं? सच कहिंए यहाँ लोग है। जो दुनिया में एक छाप छोड़ने के लिए हमें प्रोत्साहीत कर रहे है।

एक बार मैं युवकों की ध्यान सभा में गया तो धीरे–धीरे सब अच्छा लगने लगा। जी हां ! हमें वह मिल गया, जिससे बदलाव आ सकता है। और वह यह भी हो सकता है, कि हमारे बूजुर्ग की सोच में बदलाव लाए। और यह भी कि शराब धुम्रपान छुड़वाया जाए। यह बदलाव ईश्वर की प्रार्थना और तारीफ करने से आएगा, उनके संगीत पर थिरकने से। जो युवा असमज में है उन्हें भी हम राह दिखा सकते है। हमें पता है, बदलाव कैसे आएगा। किसी के होठों पर मुस्कान कैसे आएगी। कोई निराश ईन्सान मानसिक रूप से दुखी हो तो सुखी कैसे हो सकता है? युवाओं की ध्यान सभा में सारी सरहदें पार हो गयी थी। शैतान अपनी हार कर दुख मना रहा होगा। क्योंकि, हम ताकतवर और हिम्मत वाले है। जो कमजोर थे,सामने आए। जो तेज थे उन्होंने सारी जगह हल्ला बोल दिया। हंसी और खुशी खुब फैली इस सबके बिच भाई मैन्युएल ने हमारे रिश्ते को ताकत दी। वचन सुनाकर हमें येशु जैसा बनने के लिए कहा। अपने जीवन को अच्छे से सुलझाने के लिए और दुसरों की मदद करने के लिए कहा। जैसे एक पिता अपने बच्चों को राह दिखाते है, हमें भाई मैन्युएल पढ़ाई, काम और अच्छे जीवन के लिए राह दिखाते है। अगर वहाँ बैठकर आप सिर्फ कुरसी पर बोझ बने है, तो भाई मैन्युएल कहते है, 'दरवाजा खोलो हवा आने दो . . . .!' ☺

गवाहियाँ

काफी सालों से, मुझे मेरे शरीर में हिमोग्लोबीन कम था। सातवी कक्षा में इसके कारण टाईफॉइड़ भी हो गया था। **इसकी वजह से हर महिने खून भी चढ़वाना पड़ता था। हिमोग्लोबीन जब कम हो जाता था, चक्कर आता था। मै गीर जाती थी। सिढ़ियाँ नहीं चढ़ पाती थी। देढ़ साल पहले सेवकाई के लोगों के कहने पर प्रभु के लिए किए जा रहे नृत्य में मैने भाग लिया। रियाज के दौरान दस मिनट भी नाच नहीं पाती थी। फिर भी मै ने स्टेज पर नृत्य किया। हर महिने जो खून चढ़वाना पड़ता था वह सिर्फ आखरी एक ही बार चढ़वाया। और मै विश्वास करती हूँ कि, अब मुझे आगे से खुन चढ़वाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।**

– वेलेनसिआ गोमस

छे सात महिनों से मेरी पत्नी उच्च रक्त चाप की बिमारी से परेशान थी। सेवकाई में आने के बाद **उसका रक्त चाप बिल्कुल सामान्य हो गया। जब से मैने सेवकाई में बीज बोना शुरू किया, मेरा व्यवसाय भी अच्छा चलने लगा। पहले मै व्यवसाय के पिछे भागता था, अब व्यवसाय मेरे पिछे भाग रहा है। मेरे जीवन के बाकी क्षेत्रों मे भीं मैं आशीर्वादित हो गया हूँ।**

– परमजित सिंग

मेरे दाए हात में गाँठ थी, जिसकी वजह से मैं ठिक से काम नहीं कर पाती थी। पर प्रभु येशू के लहू में प्रार्थना करने के बाद दर्द ने मुझे छोड़ दिया। मेरा व्यवसाय जो अच्छा नहीं चल रहा था, अब अच्छा चल रहा है।

– तारा अग्रवाल

चार महिने से मै भाई मैन्युएल की सेवकाई में आ रहीं हूँ। माहवारी के वक्त मुझे बहुत दर्द होता था, इतना कि मुझे दवाईयाँ लेनी पड़ती थी। येशु के लहु में प्रार्थना और सेवकाई में आने के बाद अब दर्द नहीं होता। मै धन्यवाद देती हूँ, प्रभु येशू को मुझे मुक्त करने के लिए।

– वायलेट कॅस्टेलिनो

ध्यान सभा (रिट्रीट) और घोषणा सभा

ठाणे शुभसमाचार घोषणा	मुफ्त ध्यानसभा (रिट्रीट)	गोवा शुभसमाचार घोषणा
जुलाई ५, २०१०	जुलाई ९-१०, २०१०	जुलाई २३-२६,२०१०

बुधवार
इंडियन ऐड्युकेशन सोसायटी (I.E.S.)
माणिक सभा ग्रिहा
लिलावती हस्पताल के सामने,
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई–४०००५०, भारत
समय: शाम ५:३० p.m

शुक्रवार
ग्रीनविलेज रिसॉर्टस
आकाशवाणी केंद्र के सामने,
मार्वेरोड, मलाड (पश्चिम),
मुंबई–४०००६४, (भारत)
समय: शाम ६:०० p.m

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES
www.manuelministries.org

मुख्यकार्यालय
एस–४, ब्ल्यु नाइल अर्पाटमेन्टस
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लोट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई –४०००५०, भारत

PRINTED AT Jyoti Printery - Cotton Green